पाठ 10

बंदर बाँट

3471UK

काली बिल्ली : बिल्ली बहन, नमस्ते!

सफेद बिल्ली : नमस्ते बहन, नमस्ते!

काली बिल्ली : अच्छी तो हो ?

सफेद बिल्ली : अच्छी क्या हूँ, भूखी हूँ। खाने को कुछ ढूँढ रही हूँ।

काली बिल्ली : मैं भी भूखी हूँ।

सफेद बिल्ली : मुझे कहीं से रोटी की महक आ रही है।

काली बिल्ली : हाँ बहन, आ तो मुझे भी रही है।

सफेद बिल्ली : वो देखो, मेज पर रोटी है। मन कर रहा है लपक लूँ। पर, डर लगता है।

काली बिल्ली : तू डर, मैं तो लेने चली ।

(काली बिल्ली रोटी लपककर भागने लगती है)

सफेद बिल्ली : अरे ठहर! रोटी लेकर कहाँ भाग रही है? मेरी रोटी मुझे दे।

काली बिल्ली : तेरी रोटी ? रोटी तेरी कैसे?

सफेद बिल्ली : मुझे रोटी मैंने ही दिखाई थी।

काली बिल्ली : नहीं, रोटी मैंने लपकी थी। मैं रोटी नहीं दूँगी।

सफेद बिल्ली : मैं तुझे रोटी नहीं ले जाने दूँगी।

काली बिल्ली : मेरा रास्ता छोड़ो, मैं तुम्हें रोटी नहीं दूँगी।

(दोनों झपटती हैं, एक-दूसरे पर गुर्राती हैं। तभी बंदर का प्रवेश होता है।)

बंदर : तुम दोनों क्यों झगड़ रही हो ? मेरी रोटी, मेरी रोटी, कहकर दोनों चिल्ला भी रही हो। रोटी किसकी है इसका फैसला मैं कर देता हूँ। आओ मेरे साथ।

(बंदर रोटी अपने हाथ में लेकर चलता है। दोनों पीछे-पीछे चलती हैं। बंदर मेज पर जाकर बैठ जाता है। बिल्लियाँ मेज के सामने इधर-उधर खड़ी हो जाती हैं।)

बंदर : (सफेद बिल्ली से) बोलो, तुमको क्या कहना है ?

सफेद बिल्ली : श्रीमान् जी, रोटी पहले मैंने ही देखी थी। इसलिए रोटी पर पूरा अधिकार मेरा है।

बंदर : (काली बिल्ली से) बोलो, तुमको अपने पक्ष में क्या कहना है ?

काली बिल्ली : श्रीमान् जी, रोटी लेने मैं ही झपटी थी। इसलिए रोटी मेरी है।

बंदर : क्या तुम दोनों का कोई गवाह है?

दोनों बिल्लियाँ : जी नहीं, कोई नहीं।

बंदर : जब कोई गवाह ही नहीं तो किसकी बात सच मानूँ? मेरा फैसला है कि रोटी तोड़-तोड़कर आप दोनों को बराबर-बराबर बाँट दी जाए। मेरे पास धरम काँटा भी है।

(बंदर मेज के नीचे से तराजू निकालता है और रोटी तोड़कर दोनों पलड़ों पर रखता है। तराजू उठाता है। एक पलड़ा नीचे झुक जाता है दूसरा ऊपर।)

बंदर : यह टुकड़ा कुछ भारी निकला। इसे खाकर कुछ हल्का कर देता हूँ।

(फिर तराजू उठाता है। अब दूसरा पलड़ा भारी हो जाता है।)

बंदर : अब यह टुकड़ा भारी निकला। इसे भी थोड़ा छोटा करना पड़ेगा।

(बंदर रोटी का टुकड़ा तोड़कर खाता है और कहता है– टुकड़े भी कितने खोटे हैं। बराबर नहीं हो पा रहे हैं। मेरे हाथ और मुँह दोनों थक गए हैं। दोनों बिल्लियाँ बंदर की चालाकी भाँप जाती हैं और एक दूसरे की ओर देखते हुए कहती हैं।)

दोनों बिल्लियाँ : श्रीमान जी, आप टुकड़ों को बराबर करते–करते थक गए हैं। बची–खुची रोटी हमें दे दें। हम बाँटकर खा लेंगे। हमें यह बंदर–बाँट नहीं चाहिए।

बंदर : नहीं, नहीं, तुम दोनों फिर झगड़ोगी। इसलिए मैं झगड़े की जड़ ही मिटा देता हूँ।

(बंदर बची–खुची रोटी भी खा जाता है और तराजू लेकर वहाँ से भाग जाता है।)

(दोनों बिल्लियाँ पछताती रह जाती हैं।)

काली बिल्ली : रोटी तो बंदर खा गया, अब क्या करें ?

सफेद बिल्ली : करना क्या है? आगे से झगड़ा बंद। अपना फैसला मिलजुल कर करेंगे।

(दोनों बिल्लियाँ गले मिलती हैं और साथ–साथ चली जाती हैं।)

अभ्यास

1. उत्तर दो–

क. दोनों बिल्लियों के बीच किस बात पर झगड़ा हुआ?

ख. झगड़े को निपटाने के लिए बंदर ने क्या किया?

ग. बंदर की जगह तुम होते तो रोटी किस बिल्ली को देते और क्यों ?

घ. बिल्लियों ने अंत में क्या निर्णय लिया ?

2. बंदर ने रोटी को बाँटने के लिए तराजू का प्रयोग किया। अपनी कॉपी में ऐसी चीजों के नाम लिखो जिन्हें तौलने में तराजू का प्रयोग होता है।

3. तुम इस नाटक को क्या शीर्षक देना चाहोगे और क्यों ?

4. "खाने को कुछ ढूँढ रही हूँ"– इस वाक्य को कुछ इस तरह भी लिखा जा सकता है– "कुछ खाने को ढूँढ रही हूँ।" अब तुम भी नीचे दिए गए वाक्यों में शब्दों को इसी प्रकार आगे-पीछे करके सही वाक्य बनाओ–

क. वो देखो, रोटी है मेज पर।

ख. अरे ठहर! कहाँ भाग रही है लेकर रोटी?

ग. मैं नहीं ले जाने दूँगी तुझे रोटी।

घ. कोई गवाह है क्या तुम दोनों का।

5. अगले दिन दोनों बिल्लियों को दूध से भरी कटोरी मिली। दोनों सोचने लगीं दूध को कैसे बाँटें? तभी फिर वही बंदर आ गया। सोचो और बताओ– आगे क्या हुआ होगा?

कितना सीखा ?

1. नीचे दिए गए वाक्यों में से संज्ञा, सर्वनाम और क्रिया शब्द छाँटकर लिखो–

   हम इलाहाबाद अपनी माँ और पिता के साथ संगम नहाने गए थे। वहाँ पर अमरूद बहुत अच्छे बिक रहे थे। हमने मेले से गुब्बारा, गेंद, गुड़िया और सीटी खरीदी। तुम भी एक बार इलाहाबाद जाओ। वह एक सुंदर शहर है।

   संज्ञा .....

   सर्वनाम .....

   क्रिया .....

2. इन शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो–

   पुस्ताक कमरा बच्चा रोटी पौधा

3. पाठ नौ में एक वाक्य है "पूरे बावन रुपये का टिकट लगा।" टिकट और कहाँ–कहाँ लगता है ? लिखो ।

4. कौन समूह से अलग है. उस पर गोला लगाओ –

   (क) गाय, बैल, भैंस, कौआ (ख) फूल, फल, बंदर, पत्ती

   (ग) अरहर, जौ, मूली, चना (घ) कंबल, रजाई, मिठाई, चादर

5. पूरा करो –

   मैं सड़क पार कर ही रहा था कि .....

   मैं घर से निकली ही थी कि .....

   छुट्टी होने ही वाली थी कि .....

6. मोनू ने वाराणसी में क्या–क्या देखा ?

7. चाँद को पकड़ने के लिए बंदरों ने क्या योजना बनाई ?

8. याद की हुई कोई कविता सुनाओ।